Regarding safety of 61 Indians in Russia and try to bring them back

श्री हनुमान बेनीवाल **(नागौर):** सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से विदेश मंत्री जी का ध्यान एक अत्यंत गंभीर, मानवीय और संवेदनशील विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं । यह विषय उन 61 भारतीय नागरिकों से संबंधित है, जो विभिन्न राज्यों, विशेषकर राजस्थान से स्टडी वीजा और वर्क वीजा पर रूस गए थे, परंतु एजेंटों द्वारा धोखे से उन्हें युद्ध क्षेत्र में भेज दिए जाने की गंभीर जानकारी प्राप्त हुई है । हमें इन 61 लोगों की मिसिंग विदेश मंत्रालय ने उपलब्ध कराई है । वहां पर वे वर्क वीजा और स्टडी वीजा पर गए थे, लेकिन वहां रूस की जो आर्मी है, उसने उनको फ्रंट लाइन पर उनको लड़ने के लिए भेज दिया गया । उन 61 नागरिकों में मेरे राजस्थान से अजय कुमार, संदीप सूंडा, मनोज सिंह शेखावत, महावीर प्रसाद तथा करमचंद तथा शेष अन्य राज्यों के युवक हैं । पिछले कई महीनों से उनको रूस-यूक्रेन युद्ध में जबरन सैन्य गतिविधियों में लगाया गया है । पिछले तीन-चार महीनों से उनका अपने परिवारों से कोई संपर्क नहीं हुआ है । उनके परिजनों की स्थिति अत्यंत नाजुक है । कई माता-पिता अस्पताल में हैं । उनके अंदर मानसिक तनाव और भय की स्थिति चरम पर है ।

सभापति महोदया, हमने इस बारे में माननीय मंत्री जी से कई बार आग्रह किया है । इन परिवारों ने तीन नवंबर और एक दिसंबर को दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर धरना देकर अपनी पीड़ा और चिंता सरकार तक पहुंचाई है । इस विषय की सूचना मेरे द्वारा भी विदेश मंत्री जी को दो बार दी जा चुकी है । वर्तमान में आवश्यक है कि इन भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और रूस सरकार से तत्काल वार्ता कर इन्हें युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकालकर स्वदेश वापसी की ठोस पहल की जाए । एजेंटों द्वारा युवाओं को नौकरी और सामान्य कार्य का झांसा देकर फ्रंट लाइन पर भेजा जाना अत्यंत गंभीर आपराधिक कृत्य है, जिस पर त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता है ।

अतः मेरा आपके माध्यम से विदेश मंत्री जी से निवेदन है कि इस मुद्दे को उच्चतम राजनयिक स्तर पर तत्काल उठाया जाए, विशेष तंत्र सक्रिय किया जाए और इन 61 भारतीय नागरिकों की शीघ्र सुरक्षित एवं सम्मानजनक वापसी हेतु आपात प्रयास किए जाएं । धन्यवाद ।